No. of Printed Pages : 4

MESE-060

00635

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

December, 2015

MESE-060 : CURRICULUM DEVELOPMENT AND TRANSACTION

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i) All questions are **compulsory**.*
*(ii) All questions carry **equal** weightage.*

1. Answer the following question in **600** words :

   'Curriculum development demands collective and collaborative thinking'. Justify the statement with suitable examples.

   OR

   'Teachers having familiarity with learner's characteristics have an advantage in planning instruction'. Justify the statement with suitable examples.

2. Answer the following question in **600** words :

   Explain the importance of feedback in curricular transaction. Differentiate between cognitivist and behaviourist views on feedback of learning.

   OR

   Discuss the advantages of using an Interview over observation. Explain how you can conduct an interview effectively.

3. Answer **any four** of the following in **150** words each :

(a) Explain the purpose of curriculum evaluation.

(b) Differentiate between integrated and core pattern curriculum theory.

(c) Elaborate activity centered model of curriculum planning.

(d) Differentiate between summative and formative evaluation.

(e) Explain the advantages of using team teaching.

(f) Describe briefly the ways to improve reading skills among students.

4. Answer the following question in **600** words :

Discuss different forms of rating scales used in measuring attitude of the students. Prepare five items on a five point rating scale to measure attitude of your students towards the subject you teach.

एम.ई.एस.ई.-060

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

एम.ई.एस.ई.-060 : पाठ्यचर्या विकास एवं कार्यान्वयन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।***

(ii) ***सभी प्रश्नों की भारिता समान है।***

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
"पाठ्यचर्या विकास के लिए सामूहिक एवं सहयोगी चिन्तन (Collective and Collaborative thinking) की आवश्यकता है।" उचित उदाहरणों द्वारा इस कथन का औचित्य निर्धारण कीजिए।

अथवा

"शिक्षार्थियों की विशिष्टताओं के साथ सुविज्ञता (familiarity) रखने वाले शिक्षकों को शिक्षण-योजना तैयार करने में लाभ होता है।" इस कथन का उचित उदाहरणों द्वारा औचित्य सिद्ध कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
पाठ्यचर्या कार्यान्वयन में प्रतिपुष्टि (feedback) के महत्व की व्याख्या कीजिए। अधिगम की प्रतिपुष्टि पर संज्ञानवादियों तथा व्यवहारवादियों के विचारों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्रेक्षण (observation) पर साक्षात्कार के प्रयोग के लाभों पर चर्चा कीजिए। आप साक्षात्कार को किस प्रकार प्रभावी ढंग से संचालित (conduct) कर सकते हैं? व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों (प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में) के उत्तर दीजिए :

(a) पाठ्यचर्या-मूल्यांकन के प्रयोजन की व्याख्या कीजिए।

(b) समाकलित और कोर पाठ्यचर्या (integrated and core pattern curriculum) सिद्धान्त (theory) में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(c) पाठ्यचर्या योजना के क्रियाकलाप केन्द्रित प्रतिमान (activity centered model) का सविस्तार प्रतिपादन कीजिए।

(d) संकलनात्मक (summative) एवं रचनात्मक (formative) मूल्यांकन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(e) समूह-शिक्षण (team teaching) के प्रयोग के लाभों की व्याख्या कीजिए।

(f) छात्रों में पठन कौशलों के सुधार हेतु उपायों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

विद्यार्थियों की अभिवृत्ति (attitude) मापन में प्रयोग की जाने वाली निर्धारण मापनियों (rating scales) के विभिन्न रूपों की चर्चा कीजिए। पंच-बिन्दु (five point) निर्धारण मापनी (rating scale) पर पाँच एकांश (five items) तैयार कीजिए जो आप द्वारा पढ़ाये जाने वाले अपने विषय से सम्बन्धित विद्यार्थियों की अभिवृत्ति मापने के लिए हों।